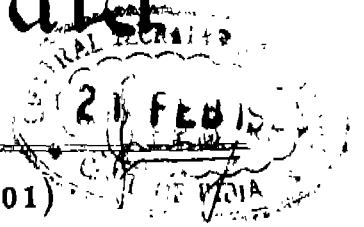


# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 12, 1980 (पौष 22, 1901)  
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 12, 1980 (PAUSA 22, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### विषय-सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	27	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	57
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	35	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . .	81
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	3	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	17
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	45	भाग III—खण्ड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .	277
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	9
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें . . . . .	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	5
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i) —(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी		भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	485

## CONTENTS

<b>PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court</b> .. .. .	<b>PAGE</b> 27	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	<b>PAGE</b> 57
<b>PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court</b> .. .. .	35	<b>PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)</b> ..	81
<b>PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence</b> .. .. .	3	<b>PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence</b> ..	17
<b>PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence</b> ..	45	<b>PART III—SECTION 1.—Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India</b> .. .. .	277
<b>PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.</b> .. .. .	—	<b>PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta</b> ..	9
<b>PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills</b> .. .. .	—	<b>PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners</b> .. .. .	5
<b>PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India</b> ..		<b>PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies</b> .. .. .	485
		<b>PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies</b> ..	5

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई  
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by  
the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by  
the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 1-प्रेज/80—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी  
असाधारण कर्तव्य परायणता तथा साहस के कार्यों के लिए  
“नौसेना मैडल”/“नेवी मैडल” प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन  
करते हैं:—

1. कमांडर मेलातूर श्रीनिवासन नारायण (00415-टी०)  
भारतीय नौसेना

अण्डमान और निकोबार कमांडर के मुख्य स्टाफ अफसर  
तथा समुद्र तटीय संक्रियाओं के समन्वयक अफसर कमांडर  
मेलातूर श्रीनिवासन नारायणन् ने 1977 के वार्षिक जल  
थल अभ्यास के दौरान समुद्र तट से देखा कि कुछ सैनिक पानी  
में छटपटा रहे हैं और बाहर आने का प्रयत्न कर रहे हैं।  
उन्होंने देखा कि एक रेत के टीले में अभ्यास में भाग लेने वाला  
एक समुद्री जहाज धंस गया है और नायक शेरी राम (संख्या  
4157828) ने कुछ देर संघर्ष किया और उल्टे वाद पानी  
में डूब गए। उन्होंने पल की देरी नहीं की और अपनी जान  
की बाजी लगाकर भी तुरन्त पानी में कूद गये और लगभग  
100 गज तैरने के बाद घटनास्थल पर पहुँचे। उन्होंने पाँच बार  
समुद्र में गोता लगाया परन्तु नायक शेरी राम का कहीं  
अता-पता नहीं मिला। वे थककर वनकनाचूर हाँ चुके थे और  
उनका दमबूरी तरह फूल गया था। फिर भी किसी तरह उन्होंने  
एक बार फिर गोता लगाया और नायक शेरी राम को ढूँढ  
कर ऊपर ले आए। इतन में पैटी अफसर श्याम सिंह  
(91064) भी घटनास्थल पर पहुँच गए थे और उनकी  
सहायता से नायक शेरी राम को वे किनारे पर ले आए।

इस प्रकार कमांडर मेलातूर श्रीनिवासन नारायणन् ने  
अदम्य साहस, पहल शक्ति और असाधारण कर्तव्य परायणता  
का परिचय दिया।

2. कमांडर जोगिन्दर सिंह (70044 आर)  
भारतीय नौसेना

कमांडर जोगिन्दर सिंह 8 मार्च, 1954 को शिक्षा अधि-  
कारी के रूप में भारतीय नौसेना में भर्ती हुए। इन्होंने प्रशिक्षण  
स्थापनाओं और प्रशिक्षण पोतों पर विभिन्न पदों पर कार्य  
किया। ये एक श्रेष्ठ पर्वतारोही हैं। गृह मंत्रालय ने  
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस का कमांडेंट नियुक्त  
करने के लिए इनकी सेवाओं की विशेष रूप से मांग की। वहाँ  
इन्होंने केरारा में प्रशिक्षण केन्द्र और डिपो को नए सिरे से

सुव्यवस्थित कर उन्हें बहुत कारगर बना दिया। इन्होंने प्रशिक्षण  
को व्यावहारिक स्वरूप दिया और वहाँ चट्टानों  
पर चढ़ने, तैरने, नदी पार करने, सुरंग बनाने और  
जंगलों में जीवन बिताने के कार्य में प्रशिक्षण शुरू किया।  
एयर इंडिया में प्रतिनियुक्ति के दौरान इन्होंने जैट बोट से गंगा  
नदी में सर एडमंड हिलैरी के “सागर से आकाश” अभियान  
में भाग लिया।

इस प्रकार कमांडर जोगिन्दर सिंह ने साहस, दृढ़ता और  
असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

3. कार्यवाहक कमांडर रवीन्द्र नाथ गणेश  
(00523-एन०)  
भारतीय नौसेना

करंज नामक भारतीय नौसेना पनडुब्बी की कमान करते  
हुए कार्यवाहक कमांडर रवीन्द्र नाथ गणेश ने देखा कि उनकी  
पनडुब्बी की पतवार ने काम करना बन्द कर दिया है। पतवार  
के जाम होने और समुद्री तूफान से भूमि की ओर लगभग चार  
नौट (समुद्री मील) धकेले जाने पर भी, पनडुब्बी तूफान की  
दिशा की ओर तट पर एक ऐसे स्थान पर जाकर खड़ी हो गई  
जहाँ यह लगभग बिल्कुल नहीं दिखाई दे रही थी। उन्होंने  
अपना आत्म संतुलन बनाए रखा और पनडुब्बी को सुरक्षित  
स्थान पर ले जाने में सफल हुए। दूसरी सुबह, एक बन्दरगाह  
के क्षेत्र में पहुँचने पर एन का रस्ता फँका गया। परन्तु एन  
के रस्से का अत्यधिक फैलाव के कारण पनडुब्बी उथले पानी में  
चली गई। कार्यवाहक कमांडर गणेश ने पनडुब्बी को बड़ी कुशलता  
से चालू किया और उसे अत्यंत खतरनाक स्थिति से बाहर ले  
आए।

इस प्रकार कमांडर रवीन्द्र नाथ गणेश ने अदम्य साहस,  
व्यवसायिक कुशलता और असाधारण कर्तव्य परायणता का  
परिचय दिया।

4. लेफ्टिनेंट (पी०) सर्वोत्तम हांडा  
(00887-आर०)  
भारतीय नौसेना

लेफ्टिनेंट सर्वोत्तम हांडा, 24 नवम्बर 1976 को जब “सीहाक”  
नामक विमान पर एक नौसेना एयर स्टेशन से उड़ान भरी तो  
उन्हें इंजिन में कुछ कंपन होती प्रतीत हुई और उसके बाद  
इंजिन ने काम करना बिल्कुल बन्द कर दिया। विमान बहुत  
खतरनाक कम ऊँचाई पर उड़ रहा था और बैस स्टेशन से बहुत

दूर था। स्थिति को गम्भीरता को उन्होंने पूरी तरह भांप लिया और बेस स्टेशन को सूचित कर विमान से कूदने की तैयारी करने लगे। छत्तरी को खोलने के बाद, उन्होंने विमान में रहने का प्रयत्न किया और उसे जबरदस्ती हवाई अड्डे पर उतारने का प्रयत्न किया। हवाई अड्डा विमान उड़ान क्षेत्र के बिल्कुल अंत में था। उन्होंने व्यक्तिगत जाँचिम उठाकर यह निर्णय लिया। विमान को बचाने और उसे हवाई अड्डे के समीप घनी आबादी के ऊपर गिरने से रोकने की उनकी प्रबल इच्छा थी। सब से पहले “सीहान” विमान को जिसके इंजिन ने ईंधन न मिलने से काम करना बन्द कर दिया था, कुशलता पूर्वक जबरदस्ती जमीन पर उतारने वाले पहले व्यक्ति थे।

इस प्रकार लेफ्टिनेंट सर्वोत्तम झांडा ने अदम्य साहस, कर्तव्य परायणता तथा उच्च कोटि की उड़ान कुशलता का परिचय दिया।

5. लेफ्टिनेंट कुलबीर सिंह श्रीलख  
(01070-एफ०)  
भारतीय नौसेना।

लेफ्टिनेंट कुलबीर सिंह श्रीलख ने 20 दिसम्बर, 1974 की भारतीय नौसेना जहाज विक्रान्त में काम करना शुरू किया। 17 जुलाई, 1975 से 16 जुलाई, 1977 तक अपने चौबीस महीने के कार्यकाल में उन्होंने आई० एन० एस० विक्रान्त के डेक से एल्युत हैलीकाप्टर पर बिना किसी विघ्न बाधा के 300 घंटों की उड़ान की। इस प्रकार की यह उड़ान बहुत ही प्रशंसनीय थी। लेफ्टिनेंट श्रीलख एक समर्पित हैलीकाप्टर पाइलट हैं और अब तक वे 700 घंटों की उड़ान कर चुके हैं। अपनी इन उड़ानों में उन्होंने आत्म विश्वास और व्यावसायिक कुशलता का परिचय दिया। आई० एन० एफ० विक्रान्त पर काम करते हुए उन्होंने 4 मई, 1976 को हवाई दुर्घटना के कारण पानी में डूबे कमांडर पी० ए० देबरस (00417-वाई०) की प्राण रक्षा की।

इस प्रकार लेफ्टिनेंट कुलबीर सिंह श्रीलख ने अदम्य साहस, व्यावसायिक कुशलता और असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

6. चीफ पैटी अफसर जान शेलट जेवियर  
(गन लेयर) (प्रथम श्रेणी), 47205,  
भारतीय नौसेना।

भारतीय नौसेना में चीफ पैटी अफसर जान शेलट जेवियर जिस दल में इंचार्ज थे उसे 25/26 नवम्बर, 1976 को अभिनजीकराई और कोट्टुपुरम में बाढ़ से घिरे लोगों को बचाने में सिविल अधिकारियों की सहायता करने के लिए भेजा गया। वे एक रबड़ के बेड़े का संचालन कर रहे थे और 4 से 5 नौट की रफ्तार वाली जलधारा में उन्होंने इसे एक सफल नाविक के रूप में अभूतपूर्व तरीके से चलाया। वे उन मकानों तक गए जो गिरने वाले थे। अपने बेड़े का मार्ग दर्शन किया और असहाय लोगों को बचाया। जब उनका बेड़ा एक कमान के पास से गुजर रहा था तो वह अचानक टूट कर गिर गया और नीचे उनका बेड़ा मलबे के नीचे दबने से बाल-बाल

बचा। अपने जीवन की बाजी लगाकर उन्होंने अत्यंत परिश्रम किया और लगभग 200 लोगों को प्राण रक्षा करने में सफल हुए।

इस प्रकार जान शेलट जेवियर ने अदम्य साहस, व्यावसायिक कुशलता और असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

7. चीफ पैटी अफसर चाथीलिंगथ कुंजुकुट्टन नायर,  
रडार नियंत्रण-प्रथम श्रेणी 65543,  
भारतीय नौसेना।

मद्रास में 23 नवम्बर, से 25 नवम्बर, 1976 तक भारी वर्षा हुई, जिसके कारण इस शहर में बहुत बड़े क्षेत्र में भयंकर बाढ़ आ गयी और लाखों लोग बेघर हो गये। मद्रास का एक इलाका पूर्वी अभानगर में 500 मकान 8 से 10 फुट पानी में डूब गये। वहां के निवासियों ने अपने मकानों की छतों पर शरण ली और उन्हें वहां से निकालना बहुत ही कठिन हो गया। चीफ पैटी अफसर नायर और उनके दल ने एक मोटर वाली “इण्टर प्राइज क्लास” नामक नाव से बचाव कार्य शुरू किया और 25 नवम्बर, 1976 को 356 लोगों की जानें बचाई। यही नहीं, दीवारों, खाइयों और पानी के बहाव ने नाव का आगे बढ़ाना दूभर कर दिया था परन्तु उन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर सारे दिन सहायता कार्य किया। इस प्रकार उन्होंने अपने साथियों को प्रेरित किया और सौंपा गया कार्य सफलता पूर्वक पूरा किया।

इस कार्य में चीफ पैटी अफसर चाथीलिंगथ कुंजुकुट्टन नायर ने अदम्य साहस, नेतृत्व, व्यावसायिक कुशलता और असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

8. पैटी अफसर श्याम सिंह,  
प्रथम श्रेणी क्लिअरंस ड्राईवर-संख्या 91064,  
भारतीय नौसेना।

पैटी अफसर श्याम सिंह ने 1977 के वार्षिक जन-वल अभ्यास के दौरान समुद्र तट से देखा कि कुछ सैनिक पानी में तड़फड़ा रहे हैं और बाहर आने का प्रयत्न कर रहे हैं। वे तुरन्त समुद्र में कूद गए और तैर कर घटना स्थल पर पहुंचे परन्तु वहां पहुंचने से पहले ही एक व्यक्ति, जिसका बाद में पता चला कि वह नायक शेरी राम थे, पानी में डूब गया था। उन्होंने उसे बूझने के लिए तुरन्त गोता लगाया परन्तु 6-7 बार गोता लगाने पर भी वे नायक शेरी राम का पता नहीं लगा सके। वे पूरी तरह थक चुके थे। परन्तु उसी समय उन्होंने देखा कि कमांडर मेलातूर श्रीनिवासन नारायणन् ने नायक शेरी राम को बूझ निकाला है और उसे वे पानी के ऊपर ले आये हैं। परन्तु नायक शेरी राम को पानी के ऊपर रखना अकेले कमांडर नारायणन् के लिए सम्भव न था। पैटी अफसर श्याम सिंह ने अपनी जान की बाजी लगाकर नायक श्याम को अपने कंधे पर उठाया और एक हाथ से उसे पकड़े रखा और एक ही हाथ से तैरते हुए उसे तट पर ले आए। उनके प्रयास से एक व्यक्ति के जीवन की रक्षा हुई।

इस कार्य में पैटी अफसर श्याम सिंह ने अदम्य साहस, व्यावसायिक कुशलता तथा असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

9. लीडिंग मेडीकल असिस्टेंट माईदीन मोहम्मद अमीन (आपरेशन रूप टेक्नीशियन) (68141), भारतीय नौसेना।

मद्रास में 25/26 नवम्बर, 1976 को बाढ़ से घिरे लोगों की प्राथमिक सहायता देने के लिए माईदीन मोहम्मद अमीन आगे आए और बाढ़ग्रस्त क्षेत्र अभिनजीकराई और कोट्टूरम में पहुँचकर उन्होंने एक रबड़ की नाव ली और अपनी जान की बाजी लगाकर मकानों की छतों तथा पेड़ों पर चढ़े अमहाय लोगों को बचाने का काम करने लगे। ये मकान तथा पेड़ गिरने ही वाले थे। उन्होंने तुरन्त एक काम चलाऊ स्टेचर की व्यवस्था की और उससे एक औरत की रक्षा की। इसका आपरेशन हो चुका था तथा बहुत गम्भीर हालत में थी।

इस प्रकार लीडिंग मेडीकल असिस्टेंट माईदीन मोहम्मद अमीन ने अदम्य साहस, व्यावसायिक कुशलता तथा असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

10. एंथीनीसामी पिल्लई जोजफ सोलोमन, प्रथम श्रेणी नाविक (अंडर वाटर-III, 92 159, भारतीय नौसेना।

मद्रास में 25/26 नवम्बर, 1976 को भयंकर बाढ़ आई जिससे अमीनजीकराई और कोट्टूरम क्षेत्र में बाढ़ का पानी भर गया। बाढ़ से घिरे असहाय लोगों को बचाने के लिए एंथीनीसामी पिल्लई जोजफ सोलोमन स्वयं आगे आए और रबड़ की नाव से उनकी जीवन रक्षा की। इस नाव का संचालन इन्होंने काम चलाऊ पैडल लगाकर किया और 4 से 5 नौट की रफतार से चलने वाली जलधारा में उन मकानों के पास से गुजरे जो बहने ही वाले थे। उनके दृढ़ संकल्प और साहस के परिणाम स्वरूप मकानों की छतों और पेड़ों पर बैठे लगभग 180 लोगों की जान बच गई।

इस प्रकार नाविक एंथीनीसामी पिल्लई जोजफ सोलोमन ने इस कार्य में अदम्य साहस, व्यावसायिक कुशलता तथा असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० 2-प्रेज/80—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पद सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दिनेश्वर प्रसाद राय,  
पुलिस उप-निरीक्षक,  
बाघमारा, धनबाद,  
बिहार।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

21 जनवरी, 1978 को धनबाद में महुदा बाजार के बीच स्थित श्री केवल चन्द्र महतो की दुकान-आवास पर

डाकुओं के एक मशस्त्र गिरोह ने हमला किया। पुलिस उप-निरीक्षक श्री दिनेश्वर प्रसाद राय, जो उस रास्ते से गुजर रहे थे, को हमले के बारे में सूचना मिली। श्री राय तुरन्त घटनास्थल पर गये और मोर्चा सम्भाला। उन्होंने डाकुओं पर गोली चलानी शुरू की तथा तीन-चार डाकुओं को जो उनकी रिवाल्वर की गोली से घायल हो गये थे, नीचे गिरते और भागते देखा। डाकुओं ने श्री राय पर बम फेंके, जिसके फल-स्वरूप उनके बायें हाथ तथा बायीं जाँघ पर गम्भीर चोटें आईं। श्री राय घायल होने के बावजूद भी घायल डाकुओं का पीछा करते और उनको पकड़ने के लिए भागे। डाकुओं का पीछा करते हुए वे उन पर गोली चलाते रहे। बाद में श्री राय डाकुओं में से एक को पकड़ने में सफल हो गये।

इस मुठभेड़ में श्री दिनेश्वर प्रसाद राय ने, साहस, कर्तव्य निष्ठा तथा वीरता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 जनवरी, 1978 से दिया जाएगा।

सं० 3-प्रेज/80—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पद सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री कृपाल सिंह,  
हैड कांस्टेबल नं० 6759340,  
52वीं बटालियन,  
सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

28/29 सितम्बर, 1978 को रात को सूचना मिली कि भिकी विड (पंजाब) में सी० सु० द० की 52वीं बटालियन के क्षेत्राधिकार में सीमावर्ती गाँव बान के निकट अंजी खड़ी फसलों में कुख्यात पाकिस्तानी तस्करों का एक मशस्त्र गिरोह छिपा हुआ है। अपराधियों को पकड़ने के लिए सी० सु० दल का एक गश्ती दल नियुक्त किया गया। गश्ती दल को तीन दलों में बाँट दिया गया। श्री कृपाल सिंह हैड कांस्टेबल को तीन दलों में से एक का नेतृत्व करते समय अपराधियों पर घात लगाकर आक्रमण करने का काम सौंपा गया। 28/29 सितम्बर, 1978 को लगभग आधी रात के समय, जब श्री कृपाल सिंह अपने दल का नेतृत्व कर रहे थे, तो उन्हें अचानक 50 गज की दूरी पर से तस्करों की गोलियों का सामना करना पड़ा। गोलियों की परवाह न करके, श्री कृपाल सिंह अपने दल का नेतृत्व करते हुए आगे बढ़ने लगे। जब वे तस्करों के छिपने के स्थान के निकट पहुँचे तो उन में से एक ने उन्हें देख लिया और उन पर .12 बोर की बन्दूक से गोली चलाने का प्रयास किया। परन्तु इससे पहले कि वह गोली चलाता, श्री कृपाल सिंह ने उस पर गोली चला दी और उसे घटनास्थल पर ही मार डाला। तब श्री कृपाल सिंह ने एक अन्य तस्कर जिसके पास .303

की एक रायफल थी, का पीछा किया और उसको पकड़ लिया। तलाशी लेने पर अपराधी से तस्करी का कुछ सामान बरामद किया गया।

इस मुठभेड़ में श्री कृपाल सिंह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए अनुकरणीय साहस तथा उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 सितम्बर, 1978 से दिया जाएगा।

सं० 4-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री विरेन्द्र पाल सिंह,  
कांस्टेबल, II बटालियन,  
प्रान्तीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी,  
“बी” कम्पनी, सीतापुर,  
उत्तर प्रदेश।

श्री राम पाल सिंह,  
कांस्टेबल, II बटालियन,  
प्रान्तीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी,  
“बी” कम्पनी, सीतापुर,  
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

16 मार्च, 1972 को पुलिस उप-निरीक्षक श्री प्रताप नारायण सिंह को सूचना मिली कि बांदा जिले के महुआ गांव के राजा राम का पुरवा में कुख्यात डाकू जगदीश अपने साथियों सहित उपस्थित है। डाकुओं को रोकने के लिए एक पुलिस दल तैनात किया गया। जब डाकुओं को पुलिस के आने की खबर लगी तो उन्होंने पुलिस दल पर गोली चलानी शुरू कर दी। फिर भी पुलिस ने उनको आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा परन्तु डाकू गोली चलाते रहे। डाकुओं तथा पुलिस के बीच गोली बारी कुछ समय तक चलती रही। इस बीच डाकुओं ने खड़ी फसल में से हो कर बच भागने का प्रयत्न किया परन्तु कांस्टेबल रामपाल सिंह तथा विरेन्द्र पाल सिंह के दल ने अपने जीवन को भारी खतरे में डाल कर उनका पीछा किया। जब दोनों कांस्टेबल महुआ से भौड़ा जाने वाले बैलगाड़ी मार्ग पर पहुंचे तो डाकुओं ने कांस्टेबलों पर गोली चला दी। कांस्टेबलों ने जवाब में गोली चलाई और डाकुओं में से एक को मार डाला।

इस मुठभेड़ में श्री विरेन्द्र पाल सिंह तथा श्री रामपाल सिंह ने अपनी जान को खतरे में डालकर उत्कृष्ट वीरता एवं साहस का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप

नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 मार्च, 1972 से दिया जाएगा।

सं० 5-प्रेज/80—राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री दौलत सिंह, (स्वर्गीय)  
कांस्टेबल संख्या 1618,  
जिला लुधियाना,  
पंजाब।

श्री सिमर सिंह, (स्वर्गीय)  
कांस्टेबल संख्या 242,  
82वीं बटालियन, पी० ए० पी०,  
पंजाब।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

9 अगस्त, 1977 की शाम को तलवंडी कलां, थाना सदर, लुधियाना की सीमा के अन्दर सतलुज नदी के तल पर पर अवैध शराब निकालने के संबंध में सूचना प्राप्त होने पर एक पुलिस दल को जिसमें सर्व श्री दौलत सिंह, सिमर सिंह और 4 अन्य पुलिस कर्मचारी थे, छापा मारने के लिए तैनात किया गया था। जब पुलिस दल उक्त स्थान पर पहुंचा तो अपराधी जो अभी भी शराब बना रहे थे भाग खड़े हुए। कुछ गज दौराने के बाद अपराधी, जिनका पुलिस पीछा कर रही थी नदी में कूद पड़े। पीछा करते हुए दोनों सिपाही जो कि वहीं में थे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुये उनको पकड़ने के लिए नदी में कूद पड़े। अपराधी नदी को तैर कर बच निकलने में सफल हो गए। किन्तु सर्वश्री दौलत सिंह और सिमर सिंह कांस्टेबल बाढ़ आई हुई नदी में वह गए।

सर्व श्री दौलत सिंह एवं सिमर सिंह ने अपराधियों का पीछा करते समय उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया और कर्तव्य की वेदी पर अपने जीवन न्योछावर कर दिए।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 अगस्त, 1977 से दिया जाएगा।

के० सी० मादप्पा, राष्ट्रपति के सचिव

गृह मंत्रालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1980 के नियम

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1980

सं० 11/5/79-के० सं० II--गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन् 1980 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिए, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में सम्मिलित किए जायेंगे) में

अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए, नीचे दिये गये प्रतिनिधित्वपूर्ण परीक्षाओं के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड—VI
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड—II
- (3) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (5) भारत के निर्वाचित आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद
- (6) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (7) महानिरीक्षक, भारत-निखत सीमा पुष्पिम दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (8) केन्द्रीय मन्त्रालय आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद।

उपरोक्त सेवाओं/पदों के लिए अधिमान आयोग द्वारा केवल उन्ही उम्मीदवारों से आमन्त्रित किए जाएंगे जो टंकण परीक्षा में प्रविष्ट किए जाने के पात्र होंगे।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा समाचार पत्रों में जारी किए गए विज्ञापन में निर्दिष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण किया जायेगा।

भूतपूर्व सैनिक का अर्थ उस व्यक्ति से है जो मंच की सशस्त्र सेना में किसी पद पर (चाहे लड़ाकू के रूप में रहा हो अथवा नहीं) निरन्तर 6 मास की अवधि तक रहा हो। और दुर्घात या अवशेष के कारण पदच्युत या सेवा-मुक्त किए जाने को छोड़कर अन्य किसी कारण से नौकरी से मुक्त कर दिया गया हो अथवा परीक्षा की तारीख से छः मास के भीतर विमुक्त होने वाला हो।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के लिए “संघ की सशस्त्र सेना,” में भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं होंगी परन्तु निम्न सेनाओं के सदस्य शामिल नहीं हैं :—

- (क) आसाम राइफल
- (ख) लोक सहायक सेना
- (ग) जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स
- (घ) जम्मू तथा कश्मीर मिलिशिया
- (ङ) सैनिक गुरुक्षा दल तथा
- (च) प्रादेशिक सेना।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अभिप्राय उस किसी भी जाति से है जो निम्नलिखित में उल्लिखित है :—

- \*संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950
- \*संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950
- \*संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951
- \*संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951
- \*अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वीय क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा संशोधित किए गए के अनुसार)
- \*संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956
- \*संविधान (अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959
- \*संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962

\*संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962

\*संविधान (पॉण्डिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964

\*संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967

\*संविधान (गोआ दमन तथा दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968

\*संविधान (गोआ, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968

\*संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 तथा

\*अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से अभिप्राय निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी से सम्बद्ध व्यक्ति से है :—

(क) बहरे : बहरे व्यक्ति ऐसे व्यक्ति है जिनको जीवन के सामान्य प्रयोजन के लिए सुने का बोध न हो। उच्च स्वर से साफ बोलने पर वे न तो बिल्कुल सुन सकते हैं और न ध्वनि को समझ सकते हैं। इस वर्ग में ऐसे मामले भी शामिल हैं जो ठीक काम (गम्भीर रूप से असमर्थ) 90 डेसीबल से अधिक नहीं सुन सकते हैं अथवा दोनों कानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हैं।

(ख) शारीरिक रूप से विकलांग : शारीरिक रूप से विकलांग ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें शारीरिक दोष हो अथवा अंग-विकृति हो जिससे कार्य करने में हड़ड़ी, पेशियों तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा पैदा होती हो।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट I में निहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
- (ङ) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका व जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जायरे तथा झोपिया से आया हो।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

(2) परन्तु यह भी शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) तथा (घ) से सम्बन्धित उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है। परन्तु उसे नियुक्ति पत्र तभी दिया जा सकता है जब उसे वह मन्त्रालय/विभाग आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दे जो उस पद से सम्बद्ध हो जहां उम्मीदवार की नियुक्ति की सम्भावना हो।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी है कि 1 जनवरी, 1980 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरे 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1955 से पहले और 1 जनवरी, 1962 के बाद न हुआ हो।

(ब) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना की कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

परन्तु इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही प्रति-योगी होने के हकदार होंगे।

टिप्पणी :—उपरोक्त नियम 5 (ख) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाह्व पर सेवा ("काल अप मरविम") की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

(ग) उपरिलिखित ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च 1971 से पहले) प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का हो और बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ हो और पहली जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले) प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जाम्बे और इथियोपिया से प्रव्रजित हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (ix) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा कर्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (x) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियाँ करते समय अशक्त हुए तथा उनके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त अनुसूचित

जातियों तथा आदिम जातियों से सम्बन्धित रक्षा सेवा कर्मिकों के मामले में अधिकतम 8 वर्ष तक,

(xi) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कर्मिकों के मामलों में अधिकतम 3 वर्ष तक,

(xii) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कर्मिकों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों,

(xiii) यदि उम्मीदवार विद्यमान से भारतीय मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा वह भारत में जुलाई, 1975 से पहले नहीं आया है, तो उसके मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक और

(xiv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति है अर्थात् बहरा तथा शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्ति—तो उसके लिए अधिकतम 10 वर्ष तक की छूट होगी।

(घ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष तक आयु की छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों में तथा निर्वाचित आयोग के कार्यालय में लिपिकों/महायकों/संकलकों/भंडार रक्षकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1980 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मन्त्रालय/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा और (2) भारतीय विदेश सेवा (ख) (3) रेलवे सचिवालय सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं, और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में बैठ रहे हैं।

(ङ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामलों में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जाएगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक के पदों पर नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1980 को जिन्होंने हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु शर्त है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता से प्राप्त होंगे।

(च) ऊपरी आयु सीमा में सैनिक-लिपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो सशस्त्र सेना में अपनी कलर सेवा के अन्तिम वर्ष में हैं अर्थात् उनको जो सेना से 2 जनवरी, 1980 से 1 जनवरी, 1981 की अवधि में निवृत्त होने वाले हैं। ऐसे उम्मीदवारों को शुल्क में कोई छूट नहीं दी जाएगी।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवार केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर्सेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए ही, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं हैं, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(छ) उन टेलीफोन आपरेटरों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं होगी, जो दिनांक 1 जनवरी, 1980 को विदेश मन्त्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत जारी रहेगी।

टिप्पणी 1. डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छंटाइकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5 (घ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जाएगी।



टिप्पणी 2. यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (घ), नियम 5 (ङ) और नियम 5 (छ) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन-पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, वह नौकरी से त्यागपत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

टिप्पणी 3. किसी व्यक्ति को जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसर्वग पद (एक्स-केडर-पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दिया जायेगा।

टिप्पणी 4. विदेश मन्त्रालय में भाग ले रहे कार्यालयों/विभागों में काम कर रहा कोई स्थाई अथवा अस्थायी टेलीफोन अपरेटर इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु किसी टेलीफोन अपरेटर को परीक्षा पास करने के लिए दो से अधिक अवसर प्रदान नहीं किये जाएंगे। जो टेलीफोन अपरेटर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से अन्य असर्वग पदों पर प्रतिनियुक्त रहें, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे। यदि वे अन्यथा पात्र हों। यह उम्र व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अन्य असर्वग पद या स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है, यदि उम्र समय टेलीफोन अपरेटर के पद में उसका पुनर्प्रवेशाधिकार है।

टिप्पणी 5. जहाँ तक इस नियम की उक्त श्रेणी (छ) के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का सम्बन्ध है, यह परीक्षा अर्हक होगी, प्रतियोगितात्मक नहीं। उनको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा, जो इस परीक्षा का एक भाग है। यदि उन्होंने पहले से टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी, तो उन्हें इस आयोग द्वारा ली गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में उनकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास करनी होगी। यदि वे यह परीक्षा पास नहीं करेंगे तो उन्हें कोई वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी जाएगी, जब तक कि वे कथित परीक्षा पास नहीं कर लेंगे। आयोग द्वारा मिफारिश किया गया टेलीफोन अपरेटर केवल भारतीय विदेश सेवा ख ग्रेड-VI में लिया जाएगा।

(ज) दिनांक 31-12-79 तक तदर्थ आधार पर नियुक्त व्यक्तियों के लिए, चाहे वे अब सेवा में हों या उन की छंटनी हो चुकी हो, कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 15632/2/78-स्था (घ) दिनांक 16-2-78 के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अभाव निर्धारित आयु-सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

6. भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विधिविधालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो उस राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता हो वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी 1—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिस के पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिस का परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2—कुछ विशिष्ट मामलों में, जहाँ कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्त कि वह उस

स्तर तक अर्हता प्राप्त हो जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अनुबन्ध किया है, जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने जीवन पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति को विवाह में दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और जब तक उसको इस नियम से छूट न दें।

(2) जिस व्यक्ति ने विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया है, वह भारतीय विदेश सेवा ख ग्रेड-VI को नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

8. जो उम्मीदवार पहले से स्थायी अथवा अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हो, वह परीक्षा में बैठने के लिए सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उसे टंकण परीक्षा में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से एक अनापत्ति प्रमाण-पत्र भेजना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक वृद्धि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा बिहित डाक्टर की परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह शान हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका है तो उसको नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर की परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए बिचार किए जाने की सम्भावना होगी।

टिप्पणी—अशक्त भूतपूर्व रक्षा कामिकों के मामले में रक्षा सेवा के सेन्य डिप्टन डाक्टर बोर्ड (डोमोबीलाइजेशन मैडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. सशस्त्र सेना से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के विज्ञापन के अन्तर्गत शूल्क की छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को निर्धारित शूल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का यत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें लस्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को भ्रष्टरेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा भवन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो।

15. परीक्षा के बाद उन उम्मीदवारों को जो टंकण परीक्षा में पास होंगे अथवा जिनको छूट मिल जाएगी लिखित परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर श्रेष्ठताक्रम में रखा जाएगा तथा उम्मीदवारों में जितने उम्मीदवार आयोग द्वारा परीक्षाओं में पास हुए पाये जायेंगे उन की अन्तर्निहित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी ध्यान देना है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए, आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रिक्तियाँ देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

अब यह भी ध्यान देना है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए, आयोग सामान्य स्तर में रिक्तियाँ देकर भी भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान दिए बिना ही उनकी नियुक्ति के लिए, सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के लिए योग्य हों।

16. परीक्षा-परिणाम के आधार पर नियुक्तियाँ करते समय किसी उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र देते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताई गई प्राथमिकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षाफल के सम्बन्ध में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जाँच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

के० बी० नाथर,  
प्रवर सचिव

#### परिशिष्ट—1

1. परीक्षा दो भागों में ली जायेगी अर्थात् भाग I—लिखित परीक्षा और भाग II—टंकण परीक्षा

भाग I—लिखित परीक्षा—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पक्ष	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
I.	अंग्रेजी भाषा	150	1½ घण्टा
II.	सामान्य अध्ययन	150	1½ घण्टा

भाग II—टंकण परीक्षा—टंकण परीक्षा में लगातार टाइप करने की सामग्री (रनिंग मैटर) का एक 10 मिनट का पक्ष होगा।

2. अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र मासिकीय टाइप के होंगे।

3. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग II में बैठने के लिए केवल वही उम्मीदवार पास होंगे जो लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार निश्चित किया गया एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे।

4. परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे। (यह विदेश मंत्रालय में नियुक्त टेलीफोन ऑपरेटरों पर लागू नहीं होता)।

टिप्पणी I : जिन उम्मीदवारों ने संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षणशाला या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान या अधीनस्थ सेवा आयोग या कर्मचारी भवन आयोग द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पहिले ही पास कर ली हो उन्हें इस परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षा में अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा की तारीख बतानी चाहिए।

टिप्पणी II : जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य होने का दावा करता है, उसे गृह मंत्रालय, कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में केन्द्रीय सरकार के पुरस्तिमोदन से इस परीक्षा के देने और पास करने की शर्त में छूट दी जा सकती है बशर्ते कि ऐसे उम्मीदवार को जब उसे टंकण परीक्षा देने के लिए कहा जाए तो वह सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से निर्धारित प्रपत्र में एक प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करे जिसमें उसको किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करेगे के लिए स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया गया हो।

5. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी टाईप मशीन लानी होगी। स्टैंडर्ड गार्ड के रोलर वाली टाईप मशीन परीक्षा के लिए काम दे सकेंगी।

6. उम्मीदवारों को छूट होगी कि टंकण परीक्षा हिन्दी (देवनागरी लिपि) में दे अथवा अंग्रेजी में।

7. टंकण परीक्षा के उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इच्छा आवेदन-पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देंगे। एक बार चुना हुआ विकल्प अन्तिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध साधारणतः स्वीकार नहीं होगा। उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के सिवाय किसी अन्य भाषा में टंकण परीक्षा देने पर कोई अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिया गया है।

9. उम्मीदवार को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

#### अनुसूची

भाग I—लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान :—

(क) अंग्रेजी भाषा के प्रश्न इस प्रकार होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द भंडार, वर्ण-विन्यास, समानार्थ, विपरीतार्थक शब्दों का कितना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सही और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है।

(ख) सामान्य ज्ञान

भारत का संविधान, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति, भारत का गणराज्य एवं आर्थिक भूगोल, सामाजिक घटनाओं और प्रतिदिन वृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है। उम्मीदवारों के उत्तर ऐसे होने चाहिए जिनसे यह पता चले कि उन्होंने प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्वक समझ लिया है तथा किसी पाठ्य पुस्तक का बिस्तृत अध्ययन नहीं किया है।

#### परिशिष्ट II

उन संस्थाओं/परी में सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इन परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित वी ग्रेड्स :—

1. उच्च श्रेणी ग्रेड ६० 330-10-380-४० री०-12-500-२० री०-15-560।

2. अवर श्रेणी ग्रेड ६० 260-6-290-६० री०-6-326-8-366-४० री०-8-390-10-400।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति को वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा यथानिर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और विभागीय परीक्षाएं पास करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षाएं पास न कर सकने पर परीक्षाधीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परीक्षाधीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है या यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो, उसे सेवा से निकास जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

4. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मन्त्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायेगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मन्त्रालय या कार्यालय में बदली भी हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे। स्थायी या नियमित रूप से नियुक्त किए गए अस्थायी अवर श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में यथानिर्दिष्ट निर्णायक तारीख को 5 वर्ष की अनुमोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर चुके, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता में बैठने के पात्र होंगे।

6. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख का कम से कम दो वर्ष अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा करने के बाद श्रेणी 'व' के आशुलिपिक की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्णायक तारीख को 35 वर्ष होनी चाहिए।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जायेगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काडर में अथवा रेलवे बोर्ड के सचिवालय लिपिक सेवा योजना में शामिल किसी पक्ष पर स्थानांतरण या नियुक्ति की मांग नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मन्त्रालय में नियुक्त अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्त नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति, आदि रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 से जो समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम 1962 के आधार पर बने हैं, संचालित होती हैं।

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्नलिखित वी श्रेणियां हैं :—

उच्च श्रेणी लिपिक—६० 330-10-380-४० री०-12-500-२० री०-15-560।

अवर श्रेणी लिपिक—६० 260-6-290-६० री०-6-326-8-366-४० री०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिए परीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसे विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किये जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखलाने पर अवकाश परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे। ऐसे स्वामी अवकाश नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा तथा निर्धारित निर्णायक तारीख को रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हों रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा यथा निर्धारित निर्णायक तारीख को कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुकने के बाद, रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय आगुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ब' के लिए ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इन परीक्षा के लिए ऊपरी आयु सीमा निर्णायक तारीख को 45 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और उनके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भांति अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के संबंध में जो इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए हैं :-

(1) पशुन के लामों के हकदार होंगे, और

(2) जब वे नौकरी में नियुक्त हुए हों, उन तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू गैर अणवादी राज्य रेलवे भविष्य निधि के नियमों के अधीन उन निधि में प्रवेश कर रहे।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कामचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों को भर्ती की बराबर मात्रा में प्रिविलेज पासों और प्रिविलेज टिकट आखरो के हकदार होंगे।

9. अर्थात् छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को उसी प्रकार की सुविधाएं हैं जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा सुविधाएं उन्हें दूसरे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनका मुख्यालय नई दिल्ली है, के समान है।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI

वैतनमान : रु० 260-6-290-ब० री०-6-326-8-366-ब० री०-8-390-10-400।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के VI ग्रेड में नियुक्त अधिकारी विदेशों में नियुक्त किए जाने पर उन भर्ता और मुक्त आवाजा के पात्र होंगे, जो समय-समय पर भारतीय विदेश सेवा (ख) के उस ग्रेड में अधिकारियों के लिए स्वीकार्य होते हैं।

3. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त उम्मीदवार को, मुख्यालय में अथवा भारत या विदेश में कहीं भी जहां वे नियन्त्रक अधिकारी द्वारा लगाए जायें सेवा करनी होगी।

4. इस सेवा में नियुक्त, पुष्टीकरण तथा वर्गिष्ठता की शर्त भारतीय विदेश सेवा (ख) भर्ती, संवर्ग वर्गिष्ठता तथा पदोन्नति विधिम 1964 के संगत उपबन्धों तथा बाव में सरकार द्वारा बनाए गए नियमों और आदेशों के अधीन होंगे।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड हैं :-

उच्च श्रेणी ग्रेड -- रु० 330-10-380-ब० री०-12-500-ब० री०-15-560।

अवर श्रेणी ग्रेड -- रु० 260-6-290-ब० री०-6-326-8-366-ब० री०-8-390-10-400।

उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद अवर श्रेणी लिपिकों में पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अवधि में सम्स्तोपजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है। परीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करना पड़ सकती है।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टीकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे।

4. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किए गए अवर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जायेंगे। किन्तु लोक हित में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है।

5. छुट्टी चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही होंगी सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर-सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

(ङ) सन्दर्भ मामलों का विभाग

इन विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वैतनमान रु० 260-6-290-ब० री०-6-326-8-366-ब० री०-8-390-10-400 है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रखा जाएगा।

(च) भारत-तन्त्र सीमा पुलिस

भारत-तन्त्र सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का वैतनमान रु० 260-6-290-ब० री०-6-326-8-366-ब० री०-8-390-10-400 है।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परीक्षाधीन होंगे।

(छ) कन्द्रीय मतकंठा आयोग तथा निर्वाचन आयोग

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का वैतनमान रु० 260-6-290-ब० री०-6-326-8-366-ब० री०-8-390-10-400 है।

2. केन्द्रीय मतकंठा आयोग तथा निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद के संलग्न से० में शामिल नहीं हैं।

3. नियुक्त किए गए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन होंगे।

4. केन्द्रीय मतकंठा आयोग में 5 वर्ष तथा निर्वाचन आयोग में 3 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् वे उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

## इस्पात और खान मंत्रालय

## नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1980

सं० ए०-12025/6/79-एम-2—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निम्नलिखित रिक्त पदों को भरण के लिए 1980 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

## भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क और

## (1A) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप ख

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में अस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियां होंगी उम्मीदवार अपनी बारी में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों की आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का अर्थ संविधान (अनुसूचित जातियां), आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951; संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951; अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, धम्मई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा (संशोधित) संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956; अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959; संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962; संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962; संविधान (पांडिचेरी) (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967; संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968; संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968; और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970; में उल्लिखित जातियों/जनजातियों में से कोई एक हो।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-I में निर्धारित नीति में आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहाँ होगी, यह आयोग द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा।

## 5. कोई उम्मीदवार या तो—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्री लंका, कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफरीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जंबुजा, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृज्जित कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो,

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) में सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है; किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यकता पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1980 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1950 से पहले और 1 जनवरी, 1959 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कर्मचारी आवेदन करते हैं तो उनके मामले में अपनी आयु गीमा में 7 वर्ष की छूट दी जाएगी।

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु गीमा से और छूट दी जाएगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 से 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्री लंका करार के आधीन 1 नवंबर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्री लंका करार के आधीन 1 नवंबर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रवृज्जित किया हो या जाम्बिया, मलावी,

- जैसे और इथीयोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (ix) शत्रु दंश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (x) शत्रु दंश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष; और
- (xii) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास त्रिथननाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है और जो विगतनाम में जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;

उपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आय सीमा में किसी भी हानत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें:—

- (1) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा में त्यागपत्र दे देता है या विभाग कार्यालय द्वारा उसकी संवाण समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदनपत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।
- (2) जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है यह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रति-योगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका

पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बशर्त कि उसका आवेदनपत्र विधिवत अनुशासा सहित उसके मूल विभाग द्वारा अप्रोषित कर दिया गया हो।

#### 7. उम्मीदवार:—

- (क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भूविज्ञान या प्रयुक्त भूविज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अवश्य होनी चाहिए; या
- (ख) भारतीय खान दिवालय, धनवाद में प्रयुक्त भूविज्ञान में एसोसिएटशिप का डिप्लोमा।
- (ग) कांचिन विश्वविद्यालय से समूची भूविज्ञान में एम० एस-सी० डिग्री।

नोट-1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परीणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र होंगे तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितंबर, 1980 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट-2:—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक दृष्टि में योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्त कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके।

नोट-3:—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है, किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 5 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत में काम कर रहे हैं उन्हें यह परिचयन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण-पत्र (मर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

## 12. जिस उम्मीदवार ने:—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति के छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अदलील भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्य्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्म-चारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) पूर्वोक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (फिकरमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विवक्षा पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा:

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तिस्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कूल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षा-फल के बारे में कोई पत्रव्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार धरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद जो यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किए जाने की संभावना है केवल उन्हीं की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवार शुल्क के रूप में ₹० 16.00 का भूगतान मेडिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट:—निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले मिजिल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षणों से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को पद विशेष की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

## 18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने

के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

जे० ए० चौधरी,  
उप सचिव.

### परीशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—

भाग-I—नीचे पैरा 2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा।

भाग II—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (दोषिए नीचे पैरा 7) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी।

विषय	समय	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	1½ घंटा	100
(2) भूविज्ञान प्रश्न पत्र-I जिसमें सामान्य भूविज्ञान भू-आकृति विज्ञान, संरचनात्मक भू-विज्ञान, स्तरक्रम विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान होंगे	3 घंटे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न पत्र-II, जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान, शैल विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे	3 घंटे	200
(4) भू-विज्ञान प्रश्न पत्र-III, जिसमें भारतीय खनिज निक्षेप, खनिज भन्वेषण खनिज अर्थशास्त्र और प्रायिक भू-विज्ञान होंगे।	2 घंटे	150

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तु परक' (बहु-विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट-4 पर 'उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका' देखिए।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निश्चित कर सकता है।

7. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता पहल तथा मेधाशक्ति, व्यवहारक क्षमता तथा अन्य

सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्विता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

8. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

### अनुसूची

#### स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान स्नातक से की जाती है। भूविज्ञानिक विषय भारतीय विश्व-विद्यालय की एम० एस-सी० डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

#### (1) सामान्य अंग्रेजी

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्त करने की शक्ति की जांच करने के प्रश्न दिए जाएंगे।

#### (2) भूविज्ञान प्रश्न पत्र-1

##### (क) सामान्य भूविज्ञान—भू-उद्गम।

महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन, महासागर विस्तारण और प्लेट भूगर्भ। विवर्तनिकी की संकल्पना। पुराजलवायु और उनकी विशेषता। समस्थिति। पुराचुम्बकत्व। विषटनात्मिकता और उसका भूविज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालानुक्रम और भू-काल। भू-विज्ञान और भूगर्भ। भूअभिनीत। ज्वालामुखीयता। द्वीप चाप, गंभीर, सागर खाईयाँ और मध्य महासागरीय कटक। कॉरल रीफ। पर्वतन और महादेश रचना। पर्वतनी श्रृंखला।

ख-भू आकृतिविज्ञान—भूआकृतिक प्रकरण; लक्षण और उनके प्राचल। भूआकृतिक चक्र और उसके अर्थ-निर्वचन। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका संबंध। मृदा।

ग-संरचनात्मक भूविज्ञान—घट्टानों के भौतिक गुण। विरूपण भ्रंशन और बलन—उनकी यांत्रिकी। प्राथमिक संरचना। संरक्षण, शल्कन और जोड़। वितल अन्तवधी और लवण गुम्फद। संस्तरों के शीघ्र तथा तल की पहचान। विषय विन्यास। पटल विरूपण। शैल विन्यासी विशलेषण।

घ-स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धान्त तथा नामपद्धति। विश्व स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपरेखाएं। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्ररूप अनुमान। गोंडवाना प्रणाली तथा गोंडवाना महाखंड।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगलादेश) की स्तरिकी तथा पुराः भूगोल। प्रमुख भारतीय शैल-समूह में सहसंबंध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएं।

ड-पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण पद्धति तथा प्रयोग। अकशरीकियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास; प्रवाल, भूजपाद, पटल कलांम, एमो-नाइटोज, जठरपाद, ट्राइलोहाइटोज; शूलचर्मी; ग्रैडोलाइट्स और फार्मिनीफर्म।

(ख) गोंडवाना तथा शिवालिक प्राणिजाल पर बल देते हुए कशरीकियों के प्रमुख समूह। मानव, हाथी तथा घोड़ा का विकास वृत्त।

(ग) गोंडवाना धनस्पति पर बल सहित जीवाश्म बनस्पति तथा इसका महत्व और वितरण।

(घ) सूक्ष्मपुराभूगोल: फोरोमिनीफराइड्स के विशेष संदर्भ में इसका महत्व, उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा पुरापरिस्थिति विज्ञान।



## (3) भूविज्ञान—प्रश्न पत्र-2

## क-क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के सममिति तत्व तथा वर्गीकरण-1 प्रश्न—गोलीय तथा त्रिविम, 32 क्लास (विन्दु समूह)। यमलम तथा क्रिस्टल अपूर्णता।

## ख-वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिजों के भौतिक, रसायनिक, वैद्युत, चुम्बकीय तथा तापीय गुणधर्म। सिलिकेटों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आलिवीन ग्रुप, गार्नेट ग्रुप, एपिडोट ग्रुप और मेलिलाइट ग्रुप। जरकान, स्फ़ीन, सिलीमेनाइट, एम्बोलसाइट, कायनाइट, एक्सराज, स्टायोलाइट, बैरिल, कॉर्डिएराइट, दूरमेलीन। पाइराक्सीन ग्रुप और एम्फिबोल ग्रुप। बोलेस्ट्रोमाइट और रोडोनाइट। अभ्रक समूह, क्लोराइट ग्रुप तथा मृत्तिका खनिज। फ़ैल्डस्पार ग्रुप, सिलिका मिनेरल्स फ़ैल्डस्पार ग्रुप। जियोलाइट ग्रुप तथा स्क्पोलाइट ग्रुप। आक्साइड्स, हाइड्रोक्साइड्स कार्बोनेट्स, फ़ास्फेट, हैलाइड्स, सल्फाइड्स तथा सल्फेट्स।

## ग-प्रकाशित खनिज विज्ञान।

प्रकाशिकों के सामान्य सिद्धांत। प्रकाशित उप साधन। अपवर्तन, द्विअपवर्तन, विलोप कोण, बहुवर्णता। प्रकाशित दीर्घवर्तज, प्रकाशित अक्षीय कोण। प्रकाशक अभिविन्यास परिक्षेपण। प्रकीर्णन। प्रकाशिक विसंगतियां।

## घ-शैलविज्ञान

(1) आग्नेयः स्वरूप, संरचना, गठन और वर्गीकरण। ग्रेनाइट—ग्रेनाइडायोराइट—साइनाइट—तेफेलाइट साइनाइट। ग्रेबो-पेरीडोटाइट-डूनाइट। जालराइट, लैम्प्रोफायर, पैग्माटाइट, एप्लाइट, आईजोलाइट तथा कार्बोनाटाइट। रियोलाइट, ट्रैकाइट, डैकाइट, एन्डेजाइट तथा बैसाल्ट।

सिलिकेट सिस्टम में प्रावस्था नियम तथा साग्यता। द्विघटक तथा त्रिघटक तंत्र। क्रिस्टलीकरण-क्रम। अभिक्रिया सिद्धान्त क्रिस्टलीकरण-अनकता। विभिन्नता। विभिन्नता अरसेल ग्रेनाइट्स मॉनोक्लिनिक तथा भारीय शैल, कार्बोनाटाइट्स, पैग्माटाइट्स तथा लैम्प्रोफायरों का उद्गम।

(2) अवसादीः वर्गीकरण तथा बनावट। अवसादों का मूल। गठन और संरचना। अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसादों का यांत्रिक विश्लेषण। निक्षेपण की पद्धतियां। प्रा-धाराए तथा द्रोणी विश्लेषण। अवसादों का उद्गम क्षेत्र। निक्षेपणी पर्यावरण, भारी खनिज तथा उनका महत्व। शिली भवन तथा प्रसंघनन।

(3) कायान्तरित शैलः कायान्तरण के कारण, प्ररूप, नियंत्रण, संरचना, श्रेणी तथा संलक्षण। कायान्तरी विभेदन। तत्वांतरण तथा ग्रेनाइटी भवन। अधिसंरचना, कीणकाश्म, घानो-काइट, एम्फिबोलाइट्स, शिष्ट, नाइसिसेज औरहार्नफेल्स। मंडमा और औरोजनी के संबंध में कायान्तरण।

## ड-भू-रसायन विज्ञान

अवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य, पृथ्वी का प्रारम्भिक भू-रासायनिक विभेदन, अवयवों का भू-रासायनिक वर्गीकरण, अनु-रक्षा अवयव। जल का भू-रसायन विज्ञान। अवसादों का भू-रसायनविज्ञान, भू-रासायनिक चक्र तथा भू-रासायनिक पूर्वक्षण के सिद्धांत।

3-401 GI/79

## (4) भू-विज्ञान प्रश्न पत्र-3

## क-भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु अयस्कों और खनिजों का भारतीय निक्षेप, जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उद्गम प्रणाली के संदर्भ में हों:

(क) तांबा, सीसा, जस्त, एल्यूमिनियम, मैंगनीशियम, लोहा, मैंगनीज, श्रोमियम, सोना, चांदी, टंगस्टन तथा मोलिब्डेनम।

(ख) अभ्रक, गैरमैग्नेटाइट, एस्बेस्टस, वेराइट्स, ग्रेफाइट, जिप्सम, गैरिक, मूल्यवान तथा अल्प-मूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, अपघर्षी तथा मृत्तिकाशिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक, सीमेंट प्रलेप तथा वर्णन उद्योग निर्माणी पत्थर।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु उर्जा खनिज।

## ख-खनिज अन्वेषण

पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियां, क्षेत्रगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण; अयस्क निक्षेपों का पता देने वाले निवेश, अयस्क निक्षेपों का प्रतिचयन, आमापन और मूल्यांकन। खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रासायनिक तथा भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग।

## ग-खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में खनिजों का महत्व। विनिर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग। मांग, आपूर्ति और प्रति-स्थापना। भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य। खनिज उद्योगों के अन्तर्राष्ट्रीय पहलू। सामरिक, कांतिक और अनिवार्य खनिज। संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति। खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति।

## घ-आर्थिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण। आवश्यक धात्विक तथा अधात्विक खनिजों का अध्ययन, जो उनकी खनिजीयता, उपस्थिति तथा वितरण के संदर्भ में किया गया हो।

## परीशिष्ट-2

## उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सूविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वस्थ परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सकें कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा। उन रक्षा सेवाओं के कर्मचारियों तथा सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के मामले में जो 1971 के भारत-पाकशत्रुता संघर्ष में

फाँजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए हों और उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए हों, पदों की अपेक्षाओं को देखते हुए, उन्हें स्तर में छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के उपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शक के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा। वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एड़ियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मापदंड के साथ लगे होंगे। उसकी छोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टिकल आफ दि हेड लेवल) हारिजेंटल बार (आडी छड़) के नीचे आए। कद मॉटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:— उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं मिर से उपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका उपरी किनारा अंसफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इम्फीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़ मेंमतल (हारिजेंटल/प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उपर या पीछे की ओर न किए जाए ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरों सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें :— अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिये।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा—

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या आसामान्यता (एब-नॉर्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को आंखों, पलकों

अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुगल स्ट्रक्चर्स) का कोई रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) द्रष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूइटी):—द्रष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आंख की अलग अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मों के बिना आंख की नजर (नेकड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मों के साथ और चश्मों के बिना द्रष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा:—

दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
अच्छी	खराब	अच्छी	खराब
आंख	आंख	आंख	आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/9	6/9	0.06 0.8
	अथवा 6/6	अथवा 6/12	

नोट:—(1) मायोपिया का कुल परिमाण (सिलेंडर सहित) 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) +4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

नोट:—(2) फंडस परीक्षा: जहां तक संभव होगा चिकित्सा बोर्ड की विवक्षा पर फंडस परीक्षा की जाएगी। और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

नोट:—(3) कलर विजन:—

(1) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।

(2) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए तो लैटन में एपचर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड II	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपचर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

जनता की सुरक्षा से संबंध सेवाओं के लिए अर्थात् पायलटों, इराइवरों गाड़ों आदि के लिए कलर विजन का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है किन्तु अन्य के लिए कलर विजन का निम्नतर ग्रेड उपयुक्त समझा जाएगा। कलर विजन का यही स्तर समस्त इंजीनियरी कार्मिकों के संबंध में भी लागू होगा, जिन मामलों में रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक हो चाहे उनकी ड्यूटी क्षेत्रगत कार्य (फील्ड वर्क) से संबंध हो या नहीं।

(3) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इतिहास की पलटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपर्युक्त लैटर्न और उसके रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जायेगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

नोट:—(4) द्रष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन): सम्मुख विधि (कन्फ्रंटेशन मथड) द्वारा द्रष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब क्षेत्र को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट: (5) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस): केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को बंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवाकर द्रष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना, उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

नोट: (6) द्रष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं (आक्युलर कन्डीशन्स):

(क) आंख की अंग संबंधी बीमारी को या बढ़ती हुई अप-वर्तन श्रुटि (रिफ्रैक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप द्रष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोह (ट्रिक्स्मा): रोह जब तक भयानक न हों, साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भँगापन: जहां दोनों आंखों की द्रष्टि का होना जरूरी है, भँगापन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे द्रष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति: एक आंख वाले व्यक्ति की नियुक्ति हेतु अनुशंसा नहीं की जाएगी।

## 7. रक्त बाव (ब्लड प्रेशर)—

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेक्जीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है:—

15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें:—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को आयोग या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में

रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कोई कारण कोई कापिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाय (विलयर्स) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

## ब्लड प्रेशर (रक्त बाव) लेने का तरीका:—

नियमतः पारं वाले दाबमापों (मर्क्युरी मनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या धबराहट के बाद पन्त्रह मिनट तक रक्त बाव नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भूजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर सामन रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ब्रैकिअल आर्टरी) को बचा बचा कर ढंढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेटोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम.एच.जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारं का कालम टिका होता है वह सिस्थोलिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षाधिकारी होता है और इसमें रीडिंग गनत होता है यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं; दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गल्ती हो सकती है)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के धोतक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नॉन डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निर्विष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोग-शाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लैबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड

को सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। ऑपीथ के प्रभाव को समाप्त करने के लिए जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम स्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वास्थ्यता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवारों को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हिर्यरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर आयोग घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, तार यातायात सेवा ग्रुप ख, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है।

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन ] यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो गैर तकनीकी काम के लिये योग्य।

(2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, ] यदि 1000 से 4000 जिसमें श्रवण यंत्र (हिर्यरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। ] तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

(3) सेन्ट्रल अथवा माजिनल टाइप के टिमपेनिक ] (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।  
कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में माजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में माजिनल या एट्रिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(4) काम के एक ओर से/दोनों ओर से मास्टायड कैबिटी से सबनार्मल श्रवण

(i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मास्टायड कैबिटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मास्टायड कैबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य।

(ii) दोनों ओर से मास्टायड कैबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।

(5) बढ़ते रहने वाला कान-आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला ] तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये अस्थायी रूप से अयोग्य।

(6) नासापुट की दृढ़ संबंधों विरुद्ध (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रक्षित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलाजिक दशा ] (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट अपसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(7) टॉसिल ओर (अथवा स्वरयंत्र लेक्स) की जीर्ण प्रवाहक दशा ] (i) टॉसिल ओर/अथवा स्वरयंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशायोग्य।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी० के हल्के अथवा अपने स्थान पर हृदय द्रव्य

(i) हल्का द्रव्यमान अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ii) हृदय द्रव्यमान अयोग्य।

- (9) आस्टोकिरोमिस अवयव तंत्र की सहायता से या यापरेणन के बाव अवयवता 30 इन्चिल के श्रद्धर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष (i) यदि वाम कान में बाधक न हो तो योग्य।  
(ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- (11) नेत्रन दोषी ग्रन्थायी रूप में अयोग्य।

- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। अच्छी तरह भरते हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रपचर है या नहीं।
- (झ) उसे हाईड्रोसील, बढी हुई बैरिफोमिल, बैरि-काजीशिरा (वेन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (च) उम्रमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिन से कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ण) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्सरे की परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख बनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित वक्षतापूर्वक ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

नोट—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उन की योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए, वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण पत्र के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करें तो इस प्रमाण पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि

उसमें सम्बंधित मेडिकल प्रकटीकरण का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

#### मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग-दर्शक के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवा काल (यदि हों) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथा स्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अधिकारी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेने की है कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों में मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें ऐसा कोई दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किए जाएंगे उन्हें भारत में या भारत से बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिये।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत बयान नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी तगबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया तो दूसरा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होगी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दूसरा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

## (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें

2 (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमो, नागालैण्ड जन-जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है। "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर हां में हो तो उस जाति का नाम बताएं

3. (क) क्या आपको कभी चंचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, बिल की बीमारी, फोफड़े की बीमारी, मूर्छा के वारें, रूमेटिज्म, एपेंडि-साइटिस हुआ है?

(ख) क्या दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसको मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चंचक आदि का टीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है।

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें:—

कवि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	--

कवि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	---

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हां में हो तो बताइये किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो

में घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर  
मेरे सामने हस्ताक्षर किए  
बोर्ड के अध्यक्ष के  
हस्ताक्षर

नोट:—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य नियुक्त भत्ता (सुपरएन्युएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) (उम्मीदवार का नाम)  
की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास:— अच्छा बीच का  
पोषण: पतला औसत मोटा  
कम

कद (जूते उतारकर) बजन

बजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान :

छाती का घेरे

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी

3. नेत्र :—

(1) कोई बीमारी

(2) रतार्थी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) फंडस का जांच

(6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)

(7) त्रिविम संगलन की योग्यता

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर गोल सिमिएक्सिस

दूर की नजर वा० ने०  
वा० ने०

नास की नजर वा० ने०  
वा० ने०

हाईपरमेट्रोपिया (व्यक्त) वा० ने०  
वा० ने०

4. कान निरीक्षण

दायां कान

बायां कान

सुनना

5. ग्रंथियां

थाईं राइड

## 6. दांतों की हालत

7. इवमन तंत्र (रेसीपरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर मांस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है।

यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यापार दें—

## 8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्यूलटरी सिस्टम)

- (क) हृदय और आंगिक गति (आंगीनिक लीजन)  
गति (रेट) :  
खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद  
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

- (ख) ब्लड प्रेशर                      सिस्टोलिक  
   डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) घेरा                      स्पर्शहयता  
हर्निया

- (क) दबाकर मालूम पड़ना : जिगर  
   गुर्दे  
   ट्यूबर

- (ख) रक्तार्श  
भगंबर

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वससिस्टम) तंत्रिका या मानसिक  
अपसामान्यता का संकेत11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :  
कोई अपसामान्यता12. जनन मूत्र तंत्र (जीनटो यूरिनरी सिस्टम)  
हाइड्रोसेल वीरिफोसील आदि का कोई संकेत  
मूत्र परीक्षा :—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है ?  
(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)  
(ग) एल्बूमिन  
(घ) शक्कर  
(ङ) कास्टस  
(च) कोशिकाएं (सैल्स)

## 13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट:—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम-9।

15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है।

नोट:—बोर्ड को अपना निर्णय निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए :

- (1) योग्य  
(2)                      के कारण अयोग्य।  
(3)                      के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य  
स्थान                      अध्यक्ष  
तारीख                      सदस्य

## परीक्षण- III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण।

## भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिबीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वेतन का निर्धारित वेतनमान:—

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ वेतनमान) रु. 700-40-900-ब० र०-40-1100-50-13 00.

(2) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ वेतन मान)—रु. 1100-50-1600.

(3) निवेशक—रु० 1500-60-1800-100-2000.

(4) उप महानिवेशक—रु० 2250-125/2-2500-ब० र०-125/2-2750.

(5) महानिवेशक—रु. 3000 (नियत)।

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित है।

(ङ) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(च) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

## (2) सहायक भू-विज्ञान ग्रुप ख—

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिबीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) वेतन का निर्धारित वेतनमान: रु. 650-30-740-35-810-ब० र०-35-880-40-1000-ब० र०-40-1200.

(ग) भू-विज्ञानी (ग्रुप क—कनिष्ठ वेतनमान के संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न ग्रेड में पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित क्रमशः मूल

नियमों और सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

- (उ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित है।
- (घ) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

#### परीक्षा-4

#### संघ लोक सेवा आयोग

#### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

##### क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको “वस्तु परक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षा में आपको उत्तर फाँलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

##### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, . . . . . के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे क, ख, ग, . . . . . क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

##### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक (नमूना संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने क, ख, ग, घ, ङ, . . . . . के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे? परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

यह जरूरी है कि:—

1. प्रश्नांश के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लायें और उन्हीं का प्रयोग करें।
2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलबत आदि पड़ जायें और वह टूट्टा हो जाए।

##### घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम:

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट बाद किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ लिखें उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संश्लिष्ट है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

##### ङ. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए व आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध स्थान में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी।



**ब. कुछ उपयोगी सुझाव**

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा श्रद्धा का जाँचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, वढ़ें, पर लापरवाही न हों। अगर आप सभी प्रश्नों के उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यंत कठिन मान्य पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूझ-बूझ और विश्लेषण क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

**छ. परीक्षण का समापन**

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर जब तक बैठ रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं और आपको "हॉल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए कागज परीक्षा भवन में बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

**नमूने के प्रश्न**

1. सूर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

- (क) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (ख) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (ग) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (घ) अशोकान्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (क) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (ख) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (ग) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (घ) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (ङ) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्योत्तर कार्य कक्षा का मुख्य प्रयोजन।

- (क) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (ख) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (ग) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (घ) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है;

- (क) बुध
- (ख) मंगल

(ग) पृथ्वी

(घ) वृध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौनसा विवरण स्पष्ट करता है?

- (क) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (ख) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ होती है।
- (ग) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (घ) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० एफ० 12-6/79-डैस्क-III(खेल)--राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा तथा खेल संस्थानों की सोमायटी तथा उसके शाशी बोर्ड के पुनर्गठन से संबंधित शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय की दिनांक 1 जून, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, श्री मन्मूर झलीवां पटौरी, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया है, के स्थान पर, एतद्वारा श्री प्रबोस झली बेग को राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा तथा खेल संस्थानों की सोमायटी तथा इसके शासी बोर्ड के सदस्य के रूप में, तत्काल से 31 मई, 1982 तक नियुक्त किया जाता है।

ए० एम० तलवार, उप-सचिव

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत् विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

संकल्प संशोधन

सं० 2/12/79-यू० एम० डे०-चार--बिजली विभाग से संबंधित मामले सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, लोक निर्माण विभाग से सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, बिजली विभाग द्वारा ले लिये जाने पर, मध्य प्रदेश सरकार की सिफारिशों के आधार पर, सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, लोक निर्माण विभाग के स्थान पर सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, बिजली और बिजली विभाग को पश्चिमी क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के सदस्य के पद पर मनोनीत करने का निर्णय किया गया है। इसके अनुक्रम में हम मंत्रालय के समसंख्यक संकल्प दिनांक 11 अक्टूबर, 1979 में क्रम सं० (7) के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा :-

(7) सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, बिजली और बिजली विभाग।

आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि उपरोक्त संकल्प गुजरात, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश की राज्य सरकारों और राज्य बिजली बोर्डों को, गोवा, दमन और दीव संघ शासित क्षेत्र को, दादरा और नगर हवेली प्रशासन को, कन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण को, पश्चिमी क्षेत्रीय बिजली बोर्ड को, परमाणु ऊर्जा विभाग को, भारत सरकार के मंत्रालयों को, प्रधान मंत्री के कार्यालय को, राष्ट्रपति के सचिव को, योजना आयोग को तथा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक को संसूचित किया जाए।

यह भी आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

राज कुमार, निदेशक

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1978

No. 1-Pres./80.—The President is pleased to approve the award of the "NAO SENA MEDAL"/"NAVY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage:

1. Commander MELATUR SRINIVASAN NARAYANAN (00415 T), Indian Navy.

During Annual Amphibious Exercise in 1977, Commander Melatur Srinivasan Narayanan, Chief Staff Officer to the Commandore Andaman and Nicobar and the Co-ordination officer of the beaching operations, noticed from the beach that a few service personnel were floundering and thrashing around in the water. He visualised the existence of a sand bar where one of the ships participating in the exercise, was beached and saw that Naik Sheri Ram (4157828) struggled for sometime and then went under water. Without losing any time and with complete disregard to personal safety, he jumped into the water and swam about a hundred yards to reach the spot where Naik Sheri Ram had gone under water. He dived five times into the sea, but could not locate Naik Sheri Ram. By that time, he himself was nearly exhausted and was out of breath. However, he dived once again, located Naik Sheri Ram and pulled him up to the surface. With the help of Petty Officer Shyam Singh (91064) who had also reached the spot, he brought him to shore.

In this action, Commander Melatur Srinivasan Narayanan displayed great courage, initiative and devotion to duty of an exceptional order.

2. Commander JOGINDER SINGH (70044R) Indian Navy.

Commander Joginder Singh joined the Navy on the 8th March, 1954, as an Education Officer. He served in various capacities in training establishments/training ships. He is an outstanding mountaineer. His services were specially requisitioned by the Ministry of Home Affairs for deputation as Commandant of the Indo-Tibetan Border Police, where he infused a new spirit in the training centre and depot at Kerara. He re-organised the training on objective lines and introduced rock-climbing, swimming, river-crossing, tunnelling and jungle survival. While on deputation to Air India, he took part in Sir Edmund Hillary's "Ocean to Sky" Jet Boat Expedition on the river Ganges.

Commander Joginder Singh has, thus, displayed courage, determination and devotion to duty of an exceptional order.

3. Acting Commander RAVINDRA NATH GANESH (00523N) Indian Navy.

Acting Commander Ravindra Nath Ganesh while in Command of the Indian Naval Submarine, Karanj, experienced failure of the rudder. Owing to the jammed rudder and the landward drift of almost four knots caused by the cyclonic weather, the submarine was soon standing to a lee shore in a almost zero visibility. He kept his presence of mind and succeeded in steering the submarine to safety. Next morning, on entering the outer harbour, a tow wire was passed from a tug but due to heavy swell, the tow wire parted and the submarine drifted into shallow waters. Once again Acting Commander Ganesh handled the submarine skillfully and extricated it from a potentially hazardous situation.

Acting Commander Ganesh thus displayed courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

4. Lieutenant (P) SARVOTAM HANDA (00887 R) Indian Navy.

On the 24th November, 1976, while piloting a Seahawk on a night sortie from a naval air station, Lieutenant Sarvotam Handa experienced engine vibration followed by complete engine failure. The aircraft was on a dangerously low height and quite far from the base. Fully realising the gravity of the situation, he informed his base and commenced ejection procedure. After jettisoning his canopy, he subsequently decided to remain with the aircraft and attempt a forced landing on the airfield which was at the extreme limit of aircraft glide range. This decision taken at great personal risk, was prompted by the desire to save the aircraft and prevent its crashing over the densely populated area near the airfield. Piloting with precision and skill, Lieutenant Handa carried out the first ever successful flame out forced landing in a Seahawk aircraft.

Lieutenant Sarvotam Handa thus displayed great courage, devotion to duty and high standard of flying skill.

5. Lieutenant KULBIR SINGH AULAKH (01070 F) Indian Navy.

Lieutenant Kulbir Singh Aulakh joined Indian Naval Ship Vikrant on 20th December, 1974. During the period of twenty-four months from 17th July, 1975 to 16th July, 1977, he flew 300 hours on Alouette helicopter from the deck of INS Vikrant. This flying was entirely accident free and, therefore, most creditable. He is a dedicated Helicopter pilot and has flown over 700 hours to-date. Throughout, he has displayed confidence and professional competence in flying. During his tenure at INS Vikrant, he rescued on 4th March, 1976, Commander P A Debras (00417 Y) who had ejected underwater after a flying accident.

Lieutenant Kulbir Singh Aulakh has thus displayed courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

6. Chief Petty Officer JOHN CHELAT XAVIER (Gun Layer) (1st Class), 47205, Indian Navy.

On 25th/26th November, 1976, Chief Petty Officer, John Chelat Xavier of the Indian Navy was in charge of a party detailed to assist civil authorities in rescuing marooned people from flooded areas of Aminjikurrai and Kotturpuram. He manned a small rubber raft and handled it like a seaman in waters which were unpredictable and having a flow of 4 to 5 knots. He went alongside buildings which were in imminent danger of collapsing and secured a rope to guide his raft to rescue the marooned people. His raft narrowly missed the debris of a building which collapsed when he was quite close to it. He worked tirelessly in disregard to his personal safety and succeeded in rescuing about 200 people.

Chief Petty Officer John Chelat Xavier thus displayed great courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

7. Chief Petty Officer CHATHILINGATH KUNJUKUTTAN NAIR Radar Control 1st Class, 65543, Indian Navy.

Due to heavy rainfall from 23rd to 25th November, 1976, many low lying areas in Madras city were heavily flooded and lakhs of people were rendered homeless. In a locality in Annanagar East, Madras, 500 houses were totally inundated under 8 to 100 feet deep water. The inhabitants took shelter on top of their houses which made it difficult to evacuate them. Chief Petty Officer Chathilingath Kunjukuttan Nair and his team undertook rescue operations in an Enterprise class boat with an outboard motor and saved the lives of 356 people on 25th November, 1976. Although the walls, fences and water currents made it extremely hazardous to operate the boat, he carried out rescue operations throughout the day in disregard to his own safety. He thereby inspired the members of his team and was able to complete the task entrusted to him.

In this operation, Chief Petty Officer Chathilingath Kunjukuttan Nair displayed courage, leadership, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

8. Petty Officer SHYAM SINGH, Clearance Diver 1st Class No. 91064 Indian Navy.

During annual amphibious exercises, 1977, Petty Officer Shyam Singh, saw some service personnel floundering and thrashing in the water. He immediately jumped into the sea and started swimming towards them. He reached the spot where a person, later identified as Naik Sheri Ram, had earlier gone down and immediately dived to locate him but even after diving 6 to 7 times, he could not locate him. Petty Officer Shyam Singh was himself nearly exhausted when he saw that Commander Melatur Srinivasan Narayanan, who had rescued Naik Sheri Ram and had brought him up to the surface, was having difficulty in keeping him above the water. In complete disregard to his own condition and safety, he placed Naik Sheri Ram on his shoulder and swam back to the beach, using only one hand to swim and the other to hold on to Naik Sheri Ram. His efforts resulted in saving a life.

In this action, Petty Officer Shyam Singh displayed great courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

9. Leading Medical Assistant MYDEEN MOHAMED AMEEN, (Operation Room Technician), 68141, Indian Navy.

On 25th/26th November, 1976, Mydeen Mohamed Ameen volunteered to render first aid to the people affected by heavy floods in Madras city. On reaching the area of Aminjikarrai and Kotturpuram, he manned a raft and helped, in complete disregard to his own safety, in rescuing several people from buildings and tree tops that were in imminent danger of collapse. He improvised a stretcher and brought to safety a woman who had undergone a caesarian operation and was in a serious condition.

Leading Medical Assistant Mydeen Mohamed Ameen thus displayed courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

10. ANTHONISAMY PILLAI JOSEPH SOLOMON, Seaman First Class (Under Water—III), 92159, Indian Navy.

On 25th/26th November, 1976, Anthonisamy Pillai Joseph Solomon volunteered to man a raft in the flooded areas of Aminjikarrai and Kotturpuram in Madras to rescue marooned people. He improvised paddles for the raft and showed great courage in handling it in a current of 4 to 5 knots and going close to buildings which were collapsing or were in imminent danger of collapse. His determination and courageous efforts resulted in the rescue of about 180 people from buildings and tree tops.

Seaman Anthonisamy Pillai Joseph Solomon has thus displayed courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

The 2nd January 1980

No. 2-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Dineshwar Prasad Roy,  
Sub-Inspector of Police,  
Baghmara,  
Dhanbad,  
Bihar.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 21st January, 1978 an armed gang of dacoits raided the shop-cum-residence of Shri Kewal Chandra Mahto located in the heart of Mahuda Bazar in Dhanbad. Shri Dineshwar Prasad Roy, Sub-Inspector of Police, who happened to pass that way, received information about the raid. Shri Roy immediately rushed to the place and took up a tactical position. He started firing on the dacoits and saw three to four dacoits falling down and running away after sustaining injuries from his revolver. The dacoits hurled bombs on Shri Roy as a result of which received grievous injuries on his left hand and left thigh. Shri Roy, in spite of the injuries on the injuries, ran to chase the injured dacoits and to capture them. While chasing the dacoits, he kept on firing on them. Shri Roy was able to apprehend one of the dacoits subsequently.

In the encounter Shri Dineshwar Prasad Roy exhibited courage, devotion to duty and bravery.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st January, 1978.

No. 3-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security force :—

*Name and rank of the officer*

Shri Kirpal Singh,  
Head Constable No. 67599340,  
52nd Battalion,  
Border Security Force.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the night of 28/29th September, 1978, information was received that an armed gang of notorious Pakistani smugglers was hiding in high-standing crops near the border village of Wan, in the jurisdiction of the 52 Border Security Force Battalion in Bhikiwind (Punjab). A BSF patrol party was deputed to apprehend them. The patrol party was divided into three groups. Shri Kirpal Singh, Head Constable was entrusted with the responsibility of laying an ambush while leading one of these groups to intercept the miscreants. At about midnight on the 28/29th September, 1978, while Shri Kirpal Singh was leading his men, he was suddenly faced with firing from the smugglers from a distance of 50 yards. In disregard of the firing, Shri Kirpal Singh kept advancing and led his men forward. When he reached near the hide-out of the smugglers, he was spotted by one of them who tried to fire at him with a .12 bore gun. Before he could fire, Shri Kirpal Singh fired at him and killed him on the spot. Shri Kirpal Singh then chased another smuggler, who was armed with a .303 Rifle and overpowered him. On carrying out a search, some smuggled goods were recovered from the person of the miscreants.

In this encounter Shri Kirpal Singh showed exemplary courage and conspicuous gallantry in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 28th September, 1979.

No. 4-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of Uttar Pradesh Police :—

*Name and ranks of the officers*

Shri Virendra Pal Singh,  
Constable,  
II Battalion,  
Provincial Armed Constabulary,  
'B' Coy., Sitapur,  
Uttar Pradesh.

Shri Ram Pal Singh,  
Constable,  
II Battalion,  
Provincial Armed Constabulary,  
'B' Coy., Sitapur,  
Uttar Pradesh.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 16th March, 1972, Shri Pratap Narain Singh, Sub-Inspector of Police received information that Jagdish, a notorious dacoit along with his accomplices was at Raja Ram Karpurwa hamlet of Mahuwa village, Banda District. A police party was deployed to intercept the dacoits. When the dacoits came to know about the arrival of the police, they opened fire on the police party. The police, however, called on them to surrender but the dacoits continued to fire. The exchange of fire between the dacoits and the police continued for some time. In the meantime, the dacoits tried to escape through the standing crops but the police party consisting of Constables Ram Pal Singh and Virendra Pal Singh chased them at grave risk to their lives. When the two Constables reached the bullock cart route running Mahuwa to Bhandra, the dacoits fired at the Constables. The Constables returned the fire and shot dead one of the dacoits.

In the encounter Shri Virendra Pal Singh and Shri Ram Pal Singh exhibited conspicuous gallantry and courage at grave risk to their lives.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th March, 1972.

No. 5-Pros/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Punjab Police :—

*Name and ranks of the officers*

Shri Daulat Singh, (Deceased)  
Constable No. 1618,  
Ludhiana District,  
Punjab.

Shri Simar Singh, (Deceased)  
Constable No. 242,  
82nd Battalion,  
P.A.P.,  
Punjab.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On receipt of information on the evening of the 9th August, 1977 about illicit distillation in the river bed of the Sutlej within the limits of Talwandi Kalan, Police Station Sadar, Ludhiana, a police party consisting of Shri Daulat Singh and Shri Simar Singh and four other police personnel was deputed to conduct a raid. When the police party arrived at the place, the culprits who were still distilling took to their heels. After running a few yards, the culprits who were being pursued by the police party, jumped into the river. Continuing the pursuit both the Constables who were in uniform jumped into the river to apprehend them without caring for their personal safety. They however managed to escape by swimming across the river. However, Shri Daulat Singh and Shri Simar Singh, Constables were drowned and were washed away by the flooded river.

While chasing the criminals, Shri Daulat Singh and Shri Simar Singh exhibited conspicuous gallantry and sacrificed their lives on the altar of duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 9th August, 1977.

K. C. MADAPPA  
Secretary to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

RULES FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 12th January 1980

No. 11/5/79-CSII.—The Rules for Competitive Examinations to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, in 1980 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts (and for such other services/posts as may be included by the Commission in their Advertisement inviting applications for the examination) are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI.
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade.
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerk in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi.
- (vii) Posts of Lower Division Clerk in the Office of the Inspector General of Indo-Tibetan Border Police, Delhi.
- (viii) Posts of Lower Division Clerk in the Central Vigilance Commission, New Delhi.

Preferences in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates who qualify for being admitted to the Typewriting Test.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the advertisement issued

by the Commission in the newspapers. Reservation will be made for candidates who are ex-servicemen, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Ex-Serviceman means a person who has served in any rank (whether as a combatant or not) in the Armed Forces of the Union for a continuous period of six months and who has been released or is to be released within 6 months from the date of the examination, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

*Explanation :—*For the purpose of these Rules "Armed Forces of the Union" shall include the Armed Forces of the former Indian States but does not include members of the following Forces, namely :—

- (a) Assam Rifles;
- (b) Lok Sahayak Sena;
- (c) General Reserve Engineer Force;
- (d) Jammu and Kashmir Militia;
- (e) Defence Security Corps; and
- (f) Territorial Army.

Scheduled Castes/Tribes means any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman & Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.

Physically handicapped person means a person belonging to any of the following categories :—

- (a) *The Deaf :—*The Deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear and understand sounds at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing loss more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) or total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically handicapped :—*The Orthopaedically handicapped are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly, Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department, which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5 (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1979, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1954 and not later than 1st January, 1961.

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen, who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union; to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for the vacancies reserved for ex-servicemen only.

NOTE :—The period of "call up service" for an Ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of rule 5(b) above.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971);
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March 1971);
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a

Disturbed area, and released as a consequence thereof, and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) up to a maximum of three years if the candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Vietnam and has migrated to India, not earlier than July, 1975; and
- (xiv) up to a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person i.e. Deaf, and Orthopaedically handicapped.

(d) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compiler Storekeepers in the various Departments/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks on 1st January 1980 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and Attached Offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service, (ii) Indian Foreign Service (B), (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service, and (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service and to persons who are ex-servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-servicemen.

(e) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1st January 1980 and who continue to be so employed.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for vacancies in the Central Secretariat Clerical Service only.

(f) The upper age limit will be relaxable up to 45 years in respect of service clerks in the last year of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period from 2nd January, 1980 to 1st January 1981. Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and inter-services Organizations, which are not reserved for ex-Servicemen.

(g) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-1-1980 and who continue to be so employed.

NOTE 1 :—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate Offices of P & T Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5(d) above.

NOTE 2 :—The candidature of a person, who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Sub-rules (d), (e) and (g) of Rule 5 above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

NOTE 3 :—A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

**NOTE 4 :—**Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Office/Department participating in the Ministry of External Affairs shall be eligible to appear at the examination provided that no Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continue to have lien on the post of Telephone Operator for the time being.

**NOTE 5 :—**The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of this rule are concerned. They will not be required to appear at the typewriting test forming part of this examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk, failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operators recommended by the Commission shall be inducted only in I.F.S. (B)—Grade VI.

(h) The upper age limit will be relaxable for persons appointed, up to 31-12-1977, on *ad hoc* basis whether retrenched or still in service, in accordance with Department of Personnel & A.R. O.M. No. 15034/2/78-Estt.(D), dated 16th December 1978.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

**NOTE 1 :—**A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

**NOTE 2 :—**In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

7. (i) No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

8. A candidate already in Government service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a "No Objection" Certificate from his office before being allowed to take the Typewriting Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate, who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidate as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

**NOTE :—**In the case of the disabled ex-Defence Services Personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates except ex-servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee *vide* Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature, for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
  - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that the candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services/posts at the time of his application.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in its discretion, and the Commission will not enter into the correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/Post.

K. B. NAIR  
Under Secy.

#### APPENDIX-I

The examination will consist of two parts, viz., Part I—Written Examination, and Part II—Typewriting Test.

PART I—Written Examination—The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
I	English Language	150	1½ hours
II	General Knowledge	150	1½ hours

PART II—TYPEWRITING TEST :—The Typewriting Test will consist of one paper on Running matter of 10 minutes' duration.

2. The question papers on "English Language" and "General Knowledge" will be of the "Objective Type".

3. Only those candidates who attain, at the written examination, a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e. Part I of the Scheme of Examination.

4. Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination. (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

NOTE : 1—Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this Examination. Such candidates must indicate their Roll Number and the date of the Typewriting Test which they have passed.

NOTE : 2—A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability, may with the prior approval of the Central Government in the Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test, provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the competent medical authority i.e. the Civil Surgeon, declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

5. Candidates will be required to bring their own Typewriters for the Typewriting Test. A typewriter with the standard size roller will do for the Test.

6. Candidates are allowed the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) or in English.

7. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that they would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no

request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a language other than the one opted for by the candidates.

8. The syllabus for the Written Examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

9. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

10. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

#### SCHEDULE

#### SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDED IN PART I—WRITTEN EXAMINATION

##### 1. ENGLISH LANGUAGE AND GENERAL KNOWLEDGE :

(a) English Language : Questions will be designed to test candidate's knowledge of English Grammar, vocabulary, spellings, synonyms and antonyms, his power to understand and comprehend the English Language, and his ability to discriminate between correct and incorrect usage, etc.

(b) General Knowledge : Candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Indian History and Culture. General and Economic Geography of India, current events, every-day science and such matter of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

#### APPENDIX-II

Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this Examination.

##### A. CENTRAL SECRETARIAT CLERICAL SERVICE :

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :—

(i) Upper Division Grade—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(ii) Lower Division Grade—Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade D Stenographers' Examination after rendering not less than two years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 35 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.



### RAILWAY BOARD SECRETARIAT CLERICAL SERVICE:

The service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways so far as recruitment, training, promotion etc., are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades:—

(i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-FB-12-560-

(ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-FB-6-326-8-366-FB-8-390-10-400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service, held by the Ministry of Railways, after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The Upper Age Limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules:—

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway staff.

9. As regards leave and other conditions of service. Staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

### C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B)—GRADE VI:

The scale of pay—Rs. 260-6-290-FB-6-326-8-366-FB-8-390-10-400.

2. Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B), when posted abroad, will be eligible for such allowances and free furnished accommodation as are admissible to that grade of I.F.S. (B) officers from time to time.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) on the results of this examination will be liable to serve in any post either at Headquarters anywhere in India or abroad to which they may be posted by the Controlling Authority.

4. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the Service will be governed by the relevant provisions of the I.F.S. (B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also by any other rules or orders, which Government may hereafter make.

### D. ARMED FORCES HEADQUARTERS CLERICAL SERVICE:

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades as follows:—

Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-12-500-FB-15-560.

Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-FB-6-326-8-366-FB-8-390-10-400.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from among Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, medical aid and other conditions of service will be the same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

### E. DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS:

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerk in the Department is Rs. 260-6-290-FB-6-326-8-366-FB-8-390-10-400.

Candidates appointed to the Service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

### F. INDO-TIBETAN BORDER POLICE:

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerk in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 260-6-290-FB-6-326-8-366-FB-8-390-10-400.

Candidates appointed to these posts on the results of this examination will be on probation for a period of two years.

### G. CENTRAL VIGILANCE COMMISSION AND ELECTION COMMISSION:

(1) The scale of pay for the post of Lower Division Clerk in the Commissions is Rs. 260-6-290-FB-6-326-8-366-FB-8-390-10-400.

(2) The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the C.S.C.S.

(3) The persons appointed will be on probation for a period of two years.

(4) They will be eligible for promotion to the grade of Upper Division Clerk after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in case of Election Commission.



## MINISTRY OF STEEL, MINES &amp; COAL

New Delhi, the 12th January 1980

## RULES

No. A-12025/6/79-M2.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1980 for the purpose of filling vacancies in the following posts in the Geological Survey of India are published for general information :—

- (i) Geologist (Junior), Group A and
- (ii) Assistant Geologist Group B

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976 the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1980, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1950, and not later than 1st January 1959.

5-401GI/79

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants if they are employed in the Geological Survey of India.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable:—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

- (a) Masters' degree in Geology or Applied Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or
- (c) M.Sc. degree in Marine Geology of Cochin University.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th September, 1980.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Service personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

J. A. CHOWDHURY,  
Deputy Secretary

#### APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subjects	Duration	Maximum Marks
1	2	3
(1) General English . . . . .	1-1/2 hrs.	100
(2) Geology Paper I . . . . . comprising of General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology.	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II . . . . . comprising of Crystallography, Mineralogy Petrology and Geo-chemistry.	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III . . . . . comprising of Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral Economics and Eco- nomic Geology.	2 hrs.]	150]

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including Sample Questions, please see "Candidates, information Manual" at Appendix IV.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative

and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

#### SCHEDULE

##### STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidates grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

#### (1) GENERAL ENGLISH

Questions to test the understanding of and the power to write English.

#### (2) GEOLOGY PAPER I

A. *General Geology*.—Origin of the Earth. Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonic, Palaeo-climates and their significance. Isostasy. Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to Geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Orogenic cycles.

B. *Geomorphology*.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. *Structural Geology*.—Physical properties of rocks. Deformation. Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. *Stratigraphy*.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type sections of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations. Age problems in Indian stratigraphy.

E. *Palaeontology*.—(a) Fossils their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals, brachiopods, lamellibranchs, ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifers.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

#### (3) GEOLOGY PAPER II

##### A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystals imperfections.

##### B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structures and classification of silicates.

Olivine group, Garnet group, Epidote group and Melilite group. Zircon, Spinel, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite. Tourmaline, Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica group, Chlorite group and Clay minerals. Feldspar group, Silica minerals. Feldspathoid group, Zeolite group and Scapolite group. Oxides, Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

**C. OPTICAL MINERALOGY**

General principles of optics. Optical accessories. Refrignence, Birefringence, Extinction angle, Pleochroism. Optical ellipsoids, Optical axial angle, optic orientation, Dispersion Optic anomalies.

**D. PETROLOGY**

(i) *Igneous* : Forms, structures, texture and classification, Granite-Granodiorite-Diorite. Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-periodotite-Dunite. Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Aplite, Iljilite and Carbonatite. Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity. Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary* : Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environments, Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic* : Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

**E. GEOCHEMISTRY**

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

**(4) GEOLOGY PAPER III****A. INDIAN MINERAL DEPOSITS**

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin :

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semiprecious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass, fertilizer, cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

**B. MINERAL EXPLORATION**

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration; guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

**C. MINERAL ECONOMICS**

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of mineral industries. Strategic, critical and essential minerals. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

**D. ECONOMIC GEOLOGY**

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

**APPENDIX II****REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight, and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimeters and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

- (ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9 or 6/6	6/9 or 6/12	0.6	0.8

NOTE (1)—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

NOTE (2)—*Fundus Examination*: Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3)—*Colour vision*: (i) The testing of colour vision shall be essential.

- (ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate . . . . .	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture . . . . .	1.3 mm.	13 mm.
3. Time of Exposure . . . . .	5 Sec.	5 Sec.

For the services concerned with safety of the Public, e.g. pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grade of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edrige Green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to try out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5) *Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness of dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (6) (a) *Ocular conditions other than visual acuity*.—Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as a disqualification.

(d) *One eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

#### 7. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- With young subjects 15—25 year of age the average is about 100 plus the age.
- With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.*—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The

candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard.

Marked or total deafness in one ear other ear being normal      Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

- (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.      Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.

- (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit.

Under improved Conditions of ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ear should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation both ears unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

- (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides, unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

- (5) Persistently discharging ear-operated/unoperated.

Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.

- (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(i) Benign tumours—Temporarily Unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit.

- (9) Otosclerosis

If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

- (10) Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

- (11) Nasal Poly

Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE :—Candidates are warned there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

*Medical Board's Report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to present early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of case is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily Unfit period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters) .....
2. State your age and birth place .....

(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?
- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age, if living, and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health.	No. of brothers, dead their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead their ages at and cause of death
--	--	--	--

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidates Signature .....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development: Good ..... Fair ..... Poor .....

Nutrition: Thin ..... Average ..... Obese .....

Height (without shoes) ..... Weight .....

Any recent change in weight .....

Temperature .....

Girth of Chest:—

(1) (After full inspiration) .....

(2) (After full expiration) .....

2. Skin: any obvious disease .....

3. Eyes: .....

(1) Any disease .....

(2) Night blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of Vision .....

(5) Fundus Examination .....

- (6) Visual Acuity .....  
 (7) Ability for stereoscopic fusion.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses sph. cy. Axis.
Distant Vision			
RE			
LE			
Near Vision			
RE			
LE			
Hypermetropia (Manifest)			
RE			
LE			

Distant Vision  
RE  
LE

Near Vision  
RE  
LE

Hypermetropia (Manifest)  
RE  
LE

4. Ears : Inspection ..... Hearing : Right Ear .....  
 ..... Left Ear .....
5. Glands ..... Thyroid .....
6. Condition of teeth .....
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?  
 If yes, explain fully .....
8. Circulatory System :  
 (a) Heart and organic lesions .....  
     Rate : Standing .....  
     After hopping 25 times .....  
     2 minutes after hopping .....  
 (b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....
9. Abdomen : Girth .....  
 Tenderness .....  
 Hernia .....  
 (a) Palpable Liver ..... Spleen  
     Kidneys ..... Tumours  
 (b) Haemorrhoids ..... Fistula
10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities .....
11. Loco-Motor System : Any abnormality .....
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.  
 Urine Analysis :  
 (a) Physical appearance .....  
 (b) Sp. Gr. ....  
 (c) Albumen .....  
 (d) Sugar .....  
 (e) Casts .....  
 (f) Cells .....

13. Report of X-Ray Examination of Chest .....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate .....

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?  
 .....  
 .....

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit  
 (ii) Unfit on account of .....  
 (iii) Temporarily unfit on account of .....

President .....  
 Member .....

Place .....

Date : .....

### APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

#### *Geological Survey of India*

##### (1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :—

- (i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.  
 (ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 1100—50—1600.  
 (iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.  
 (iv) Deputy Director General—Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750.  
 (v) Director General—Rs. 3,000 (fixed).

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

##### (2) Assistants Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—800—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through DPC by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.



## APPENDIX IV

## CANDIDATES INFORMATION MANUAL

## A. Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

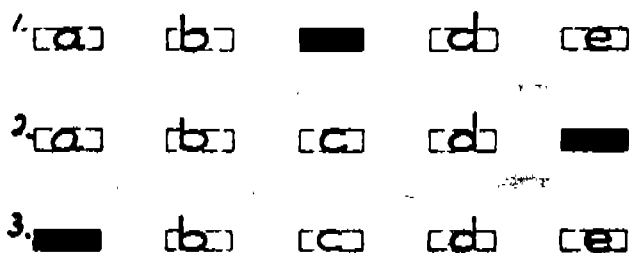
## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ..... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ..... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answer marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, (specimen enclosed) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate our response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/ test, your Roll No. Centre, subject date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificates with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet, and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet and out of the examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTION)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - (a) the successors of Ashoka were all weak.
  - (b) there was partition of the Empire after Asoka.

- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
2. In a parliamentary form of Government
    - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
    - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
    - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
    - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
    - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
  3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
    - (a) facilitate development.
    - (b) prevent disciplinary problems.
    - (c) provide relief from the usual class room work.
    - (d) allow choice in the educational programme.
  4. The nearest planet to the Sun is
    - (a) Venus
    - (b) Mars
    - (c) Jupiter
    - (d) Mercury
  5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
    - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
    - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
    - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
    - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

#### MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 3rd December 1979

No. F. 12-6/79-Desk-III(Sports).—In continuation of the Ministry of Education and Social Welfare Notification of

even number dated the 1st June 1979 regarding reconstitution of the society for the National Institutes of Physical Education and Sports and of its Board of Governors, Shri Abbas Ali Baig, is hereby appointed as a member of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports and of its Board of *vice* Shri Mansoor Ali Khan Pataudi since resigned, with immediate effect and upto the 31st May, 1982.

A. S. TALWAR, Dy. Secy.

#### MINISTRY OF ENERGY

(DEPTT. OF POWER)

New Delhi, the 12th December 1979

#### RESOLUTION AMENDMENT

No. 2/12/79-USD-IV(.).—The matters pertaining to Electricity Department having been taken over by the Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Irrigation Department from the Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Public Works Department (PWD), on the basis of the recommendations of the Madhya Pradesh Government, it has been decided to nominate Secretary to the Government of Madhya Pradesh Irrigation and Electricity Department, as a Member of the Western Regional Electricity Board, in place of Secretary to the Government of Madhya Pradesh, PWD. In pursuance thereof, S. No. VII of this Ministry Resolution of even No. dated 11th October, 1979 shall be replaced by the following :—

- (vii) The Secretary to the Govt. of Madhya Pradesh, Irrigation and Electricity Department.

#### ORDER

ORDERD that the above Resolution be communicated to the Governments and State Electricity Boards of Gujarat, Maharashtra, and Madhya Pradesh, Union Territories of Goa, Daman and Diu, Dadra and Nagar Haveli Administration, the Central Electricity Authority, the Western Regional Electricity Board, the Department of Atomic Energy, the Ministries of the Govt. of India, the Prime Minister's office, the Secretary to the President, the Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

RAM KUMAR, Director